



जींद भास्कर 28-02-2026

शैक्षणिक ऑडिट में डिजिटल व लोकसाहित्य पर जोर



जींद। सीआरएसयू के हिन्दी विभाग में शैक्षणिक उत्कृष्टता और शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शैक्षणिक ऑडिट आयोजित किया गया। यह प्रक्रिया कुलगुरु राम पाल सैनी के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय प्रशासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न हुई। ऑडिट के दौरान पाठ्यचर्या, शोध गतिविधियों, नवाचार, विद्यार्थी सहभागिता और स्थानीय लोक-सांस्कृतिक संसाधनों के उपयोग का समग्र मूल्यांकन किया गया। विषय विशेषज्ञ प्रो. कामराज सिन्धु और पूनम मोर ने विभाग की उपलब्धियों की सराहना की।

सी.आर.एस.यू. के हिन्दी विभाग में शैक्षणिक ऑडिट, गुणवत्ता और तकनीकी एकीकरण पर विशेष बल

जौंद, 27 फरवरी (ललित): चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में शैक्षणिक उत्कृष्टता, पाठ्यचर्या की प्रभावशीलता तथा शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं के सुदृढीकरण के उद्देश्य से शैक्षणिक ऑडिट का सफल आयोजन किया गया।

यह ऑडिट विश्वविद्यालय के कुलगुरु रामपाल सैनी के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। ऑडिट दौरान विभाग की पाठ्यचर्या, शोध गतिविधियों, नवाचार, विद्यार्थी सहभागिता तथा स्थानीय लोक-सांस्कृतिक संसाधनों के उपयोग का समग्र मूल्यांकन किया गया।

विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित प्रो. कामराज सिन्धु एवं पूनम मोर ने विभाग की शैक्षणिक उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि हिन्दी विभाग में अपार संभावनाएं विद्यमान हैं।

उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि विभाग के अधिकांश विद्यार्थी ग्रामीण पृष्ठभूमि से जुड़े हैं, जिसके कारण उनमें लोकजीवन, लोकभाषा और संवेदनात्मक साहित्य को समझने की अद्वितीय क्षमता विकसित हुई है। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि हिन्दी भाषा और साहित्य को डिजिटल तकनीक, ई-सामग्री, वैंब पत्रकारिता, मोबाइल पत्रकारिता



शैक्षणिक ऑडिट दौरान मौजूद प्रोफ़ेसर और अन्य।

तथा आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस आधारित भाषा उपकरणों से जोड़कर विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया जाए।

ऑडिट में यह भी रेखांकित किया गया कि हिन्दी विभाग लोक साहित्य, क्षेत्रीय सांस्कृतिक परंपराओं और आधुनिक साहित्यिक विमर्शों को समाहित करते हुए भाषा की सामाजिक भूमिका को सुदृढ कर सकता है। डिजिटल अभिलेखीकरण, लोक साहित्य के ऑडियो-विजुअल दस्तावेजीकरण तथा ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से विभाग शोध एवं शिक्षण की नई दिशाएं विकसित कर सकता है।

विभागाध्यक्ष सुनील फौगाट ने विशेषज्ञों के सुझावों का स्वागत करते हुए आश्वासन दिया कि आने वाले समय में विभाग तकनीकी नवाचार, अंतःविषयी शोध तथा कौशल-आधारित पाठ्यक्रमों के माध्यम से

हिन्दी अध्ययन को अधिक समृद्ध एवं प्रासंगिक बनाएगा।

उन्होंने बताया कि विभाग में डिजिटल कंटेंट निर्माण, लोक साहित्य के संरक्षण और विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाएगी।

इस अवसर पर यह निष्कर्ष सामने आया कि हिन्दी भाषा केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति का माध्यम ही नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदना, सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान परंपरा का सशक्त वाहक है। आधुनिक तकनीक के साथ इसके समन्वय से न केवल शिक्षण की गुणवत्ता बढ़ेगी, बल्कि विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में भी सहायता मिलेगी। शैक्षणिक ऑडिट को विभाग के सतत विकास, गुणवत्ता आश्वासन तथा नवाचार-उन्मुख शैक्षणिक वातावरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना गया।

सीआरएसयू में शैक्षणिक ऑडिट का आयोजन

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि के हिन्दी विभाग में शैक्षणिक उत्कृष्टता, पाठ्यचर्या की प्रभावशीलता तथा शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं के सुदृढीकरण के उद्देश्य से शैक्षणिक ऑडिट का सफल आयोजन किया गया। यह ऑडिट कुलगुरु रामपाल सैनी के मार्गदर्शन में निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न हुआ। ऑडिट के दौरान विभाग की पाठ्यचर्या, शोध गतिविधियों, नवाचार, विद्यार्थी सहभागिता तथा स्थानीय लोक सांस्कृतिक संसाधनों के उपयोग का समग्र मूल्यांकन किया गया।

सीआरएसयू शैक्षणिक ऑडिट में गुणवत्ता, तकनीकी एकीकरण पर दिया विशेष बल

जींद (जुलाना), 27 फरवरी (हप्र)

चौधरी रणवीर सिंह विश्वविद्यालय (सीआरएसयू) जींद के हिन्दी विभाग में शुक्रवार को शैक्षणिक उत्कृष्टता, पाठ्यचर्या की प्रभावशीलता तथा शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं के सुदृढीकरण के उद्देश्य से शैक्षणिक ऑडिट का सफल आयोजन किया गया। यह ऑडिट विश्वविद्यालय के कुलगुरु राम पाल सैनी के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। ऑडिट के दौरान विभाग की पाठ्यचर्या, शोध गतिविधियों, नवाचार, विद्यार्थी सहभागिता तथा स्थानीय लोक-सांस्कृतिक संसाधनों के उपयोग का समग्र मूल्यांकन किया गया।

विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित प्रो. कामराज सिन्धु एवं पूनम मोर ने विभाग की शैक्षणिक उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि हिन्दी



जींद सीआरएसयू में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में मौजूद अधिकारी एवं शिक्षक।-हप्र

विभाग में अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि विभाग के अधिकांश विद्यार्थी ग्रामीण पृष्ठभूमि से जुड़े हैं, जिसके कारण उनमें लोकजीवन, लोकभाषा और संवेदनात्मक साहित्य को समझने की अद्वितीय क्षमता विकसित हुई है। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि हिन्दी भाषा और साहित्य को डिजिटल तकनीक, ई-सामग्री, वेब पत्रकारिता, मोबाइल पत्रकारिता तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित भाषा उपकरणों से जोड़कर

विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया जाए।

ऑडिट में यह भी रेखांकित किया गया कि हिन्दी विभाग लोक साहित्य, क्षेत्रीय सांस्कृतिक परंपराओं और आधुनिक साहित्यिक विमर्शों को समाहित करते हुए भाषा की सामाजिक भूमिका को सुदृढ कर सकता है। डिजिटल अभिलेखीकरण, लोक साहित्य के ऑडियो-विजुअल दस्तावेजीकरण तथा ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से विभाग शोध एवं शिक्षण की नई दिशाएँ विकसित

कर सकता है। विभागाध्यक्ष सुनील फोगाट ने विशेषज्ञों के सुझावों का स्वागत करते हुए आश्वासन दिया कि आने वाले समय में विभाग तकनीकी नवाचार, अंतःविषयी शोध तथा कौशल-आधारित पाठ्यक्रमों के माध्यम से हिन्दी अध्ययन को अधिक समृद्ध एवं प्रासंगिक बनाएगा। उन्होंने बताया कि विभाग में डिजिटल कंटेंट निर्माण, लोक साहित्य के संरक्षण और विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाएगी।

ऑडिट का यह निष्कर्ष सामने आया कि हिन्दी भाषा केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति का माध्यम ही नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदना, सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान परंपरा का सशक्त वाहक है। आधुनिक तकनीक के साथ इसके समन्वय से न केवल शिक्षण की गुणवत्ता बढ़ेगी, बल्कि विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में भी सहायता मिलेगी।

हिन्दी विभाग में शैक्षणिक ऑडिट संपन्न



सीआरएसयू के हिन्दी विभाग में शैक्षणिक ऑडिट में मौजूद प्राचार्य और अन्य। स्रोत : विवि

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में शैक्षणिक उत्कृष्टता और शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शैक्षणिक ऑडिट आयोजन हुआ। इस ऑडिट का मुख्य उद्देश्य विभाग की पाठ्यचर्या, शोध गतिविधियों और नवाचारों का समग्र मूल्यांकन करना था। ऑडिट के दौरान विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. कामराज सिंधु और पूनम मोर कहा कि वर्तमान की मांग को देखते हुए हिंदी साहित्य को डिजिटल तकनीक, ई-सामग्री, वेब पत्रकारिता, मोबाइल पत्रकारिता और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित भाषा उपकरणों से जोड़ना अनिवार्य है। इससे विद्यार्थियों को न केवल तकनीकी ज्ञान मिलेगा बल्कि वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भी बन सकेंगे। विभागाध्यक्ष सुनील फोगाट ने कहा कि आने वाले समय में विभाग तकनीकी नवाचार कौशल-आधारित पाठ्यक्रमों को प्राथमिकता देगा। संताद

हिंदी विभाग में अपार संभावनाएं विद्यमान : पूनम

जासं ● जींद : चौधरी रणबीर सिंह विवि के हिंदी विभाग में शैक्षणिक आडिट का आयोजन कुलपति प्रो . रामपाल सैनी के निर्देशन में किया गया । आडिट के दौरान विभाग की पाठ्यचर्या, शोध गतिविधियों, नवाचार, विद्यार्थी सहभागिता व स्थानीय लोक-सांस्कृतिक संसाधनों के उपयोग का सम्ग्र मूल्यांकन किया गया । प्रो . कामराज सिंधु व पूनम मोर ने कहा कि हिंदी विभाग में अपार संभावनाएं विद्यमान हैं । उन्होंने सुझाव दिया कि हिंदी भाषा और साहित्य को डिजिटल तकनीक, मोबाइल पत्रकारिता व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित भाषा उपकरणों से जोड़कर विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया जाए ।